

SARASWATI MAHILA MAHAVIDYALAYA, PALWAL

LESSON PLAN

Class : BA IIIrd year

Semester : V 5th

Paper : Sanskrit

Session : 2020-2021

Lectures	Topic
1	संस्कृत वाग्व्यवहार सामान्य परिचय
2	समय वाग्व्यवहार
3	समय पाठ में आये प्रश्न व रिविजन
4	दूरभाषा पाठ में संस्कृत वाग्व्य
5	व पाठ से आये प्रश्नों का रिविजन
6	वाणिज्य पाठ के संस्कृत वाग्व्य
7	वातावरण पाठ के संस्कृत वाग्व्य
8	रिविजन टेस्ट
9	गृहसम्भावणम् (भोजनम्) पर घर की बात
10	सम्पूर्ण वाग्व्यवहार का रिविजन
11	अभिज्ञानशाकुन्तलम् नाटक का सामान्य परिचय
12	महर्षि कालिदास का जीवन परिचय व
13	रचनाएँ व मत्त जन्म के विषय में
14	7 रचनाओं का सामान्य परिचय
15	अभिज्ञानशाकुन्तलम् के मुख्य पात्र दूषण्ट का चरित्र
16	शाकुन्तला का चरित्र चित्रण
17	महर्षिकृष्ण का चरित्र चित्रण
18	प्रियंवदा का व अंबुसूया का चरित्र चित्रण
19	विदूषक व शार्ङ्गश्व का चरित्र चित्रण

Lectures	Topic
20	शाक्य व महाषु युवासा का चरित्र चित्रण
21	अभिज्ञान शाकुन्तलम् में प्रकृति वर्णन
22	अभिज्ञान शाकुन्तलम् में प्रेम व सौन्दर्य का चित्रण
23	अभिज्ञान शाकुन्तलम् में युग चित्रण
24	जादू की विशेषताएँ एवं उपाय प्रदान
25	चतुर्थ अंक का महत्व
26	अभिज्ञान शाकुन्तलम् व्याख्या भाग नान्दी पाठ
27	आर्षी पद से ग्रीवाभङ्गाभिरामं मुहुर्मुहुरित् सन्देहैः
28	कथमनुपालिन एव मे से मां महाषु करिष्याति
29	तापसः साद्यपामर तापत से अमर बाधा निरूपयति तम्
30	चत्वारिंशत् दृष्टि से प्रथमोऽङ्कः समाप्तः तम्
31	विदुषुः दण्डकाष्ठमवल्म्बय से शम्भुप्रधानेषु तपोधनेषु
32	राजा सरवे से अद्यात्कालं वसतिरमुनात्पात्रमे तम्
33	गौतमा अयं स से इति द्वितीयोऽङ्कः ।
34	ततः प्रविशति पञ्चमानशिष्यः से पृष्ठोऽङ्केन समदूरः -
35	राजा श्रुत्वा श्रौतव्यम् से तपति तन्मार्गि तम्
36	सरस्वती - विद्वान् - से राजा कथं प्रमाशास्त्रिभिरिगतिः
37	सरस्वतीं शाकुन्तला से इति तृतीयोऽङ्कः
38	ततः प्रविशति कुसुमावचयम से विचिन्तयन्ती तम्
39	प्रियवत्या तस्मिन्नुक्तमेतत् से दूषयन्तीति तं राजा दधानां
40	सखि प्रियं मे प्रियं से यथा त्वरिष्यामि त्वामिच्छामि त्वं दुःखम् ।
41	अमी वैदि परिः से एषापि प्रियेण विना गमयति -
42	अस्मान्साद्यु विचिन्तय से श्रुत्वा चिराय चतुरन्तमहीरुपतिः
43	काश्चिं प्रति आदि वा से इति चतुर्थोऽङ्कः

Lectures	Topic
44	संस्कृत साहित्य का इतिहास साक्षात् से वेदाङ्ग तक का परिचय
45	वेदों का रचना काल व ऋग्वेद का परिचय
46	वेदों का अर्थ, संख्या, वेदों के रचयिता, वेदों की भाषा
47	वेदों का महत्व, वेदों का विषय विवेचन ऋग्वेद
48	यजुर्वेद, सामवेद, व अथर्ववेद आदि के विषयों की जानकारी
49	रिविजन व टेस्ट टेस्ट
50	ब्राह्मण साहित्य, ब्राह्मण का अर्थ, संख्या, वर्गीकरण
51	ब्राह्मणों का महत्व व रिविजन
52	आरण्यक ग्रन्थों का अर्थ, संख्या, परिचय, वर्गीकरण
53	रिविजन व शुक्ल
54	उपनिषदों का अर्थ, संख्या, वर्गीकरण, वर्गीकरण
55	उपनिषदों के प्रमुख दार्शनिक सिद्धान्त
56	रिविजन टेस्ट
57	वेदांग साहित्य का अर्थ, संख्या, परिचय
58	वेदाङ्गों का महत्व
60	सम्पूर्ण संस्कृत साहित्य इतिहास की समस्यार्थ
61	स्त्रीप्रत्ययप्रकरणम् अथ स्त्रीप्रत्ययाः का परिचय
62	अजाडधत्वरूप, उगीतश्च, हिड-डाडण-अत्-द्वयश्च
63	वारिक-नम्-र-नम्-ईक-र-व्युज-त-र-व- - - -
64	पञ्चश्च व हलस्तद्वितर-च
65	रिविजन व समस्यार्थ
66	प्राचां एकस्तद्वित व विद गौरीद्विश्च
67	आम् अनडुडः रित्रपां वा शै वयासि प्रथमै
68	दिगीः व वर्णादनुदात्तात् तस्यैव तीपद्यात् ती नः

